जिनकी महिमा अपार | By Rajendra Jain |

जिनकी कृपा की है महिमा अपार
लीना है हनुमत रे रुद्र अवतार
ये महादानी हैं हनुमान जी
सर्वज्ञ ज्ञानी हैं हनुमान जी

साधुओं को तारें
ये जो पापी हैं जनों को उबारें
दुष्ट दानवों को क्षण माँ ही प्रभु संहारें
वीरबली हनुमत हैं
सूरत लुभानी है हनुमान जी
ये महादानी हैं हनुमान जी

राम जी के प्यारे
देवी सीता की आँखों के तारे
तन व मन से कपिवर
श्रीराम ही राम उच्चारें
यों लागे जग माहीं
राम की वाणी हैं हनुमान जी
ये महादानी हैं हनुमान जी

सूर्य तन प्रखर है
जिनका वेग है वायु समाना
राम काज कीन्हे
कोई दूजा न इनके समाना
सेवा में श्रेष्ठ हैं वो
सूरत लुभानी है हनुमान जी
ये महादानी हैं हनुमान जी

पल में पीर हर दें
जो भी श्रद्धा से द्वारे पे आए
क्यों न हो विशाल
जिनके अंतर में राम समाए
सदियों से वेदों ने
महिमा बखानी है हनुमान जी
ये महादानी हैं हनुमान जी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%bf%e0%a4%ae%e0%a4%be-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-rajendra-jain/